भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर परिसर में हिंदी पखवाड़ा-2026 का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर परिसर में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा कार्मिकों में हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 सितम्बर से 26 सितम्बर, 2026 तक हिंदी पखवाड़ा-2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा का शुभारम्भ एवं हिंदी दिवस समारोह 15 सितम्बर, 2026 को प्रातः 10:30 बजे डॉ. शेर सिंह, कार्यवाहक संयुक्त निदेशक, आईवीआरआई, मुक्तेश्वर परिसर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती अंजू सिंह, प्रधानाचार्य, केंद्रीय विद्यालय, आईवीआरआई, मुक्तेश्वर तथा डॉ. अरुण किशोर, प्रभारी, केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, मुक्तेश्वर अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अपने संबोधन में डॉ. शेर सिंह ने हिंदी भाषा के महत्व, राजभाषा के रूप में इसकी भूमिका तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। हिंदी दिवस एवं उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष फुलार, प्रभारी, राजभाषा अनुभाग द्वारा किया गया।

हिंदी पखवाड़ा-2026 के शुभारम्भ समारोह में दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना

हिंदी पखवाड़ा के दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें निबंध लेखन, टिप्पण लेखन, सुलेख, काव्य-पाठ, वाद-विवाद, आशुभाषण, चित्र पर आधारित कहानी लेखन, नारा लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी टाइपिंग तथा हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी भाषायी एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते संस्थान के कार्मिक एवं विद्यार्थी

हिंदी पखवाड़ा-2026 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 26 सितम्बर, 2026 को प्रातः 10:30 बजे आयोजित किया गया। समारोह का संचालन करते हुए प्रभारी, राजभाषा अनुभाग डॉ. आशुतोष फुलार ने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम प्रस्तुत किए। **निबंध लेखन प्रतियोगिता** में

हिंदी भाषी वर्ग में **डॉ. आशुतोष फुलार** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। **हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता** के स्टाफ वर्ग (हिंदी भाषी) में **डॉ. निधि शर्मा** प्रथम रहीं। **टिप्पण लेखन प्रतियोगिता** में **डॉ. करम चंद** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि वर्ग 'ग' एवं 'घ' में क्रमशः **श्री राजपाल** एवं **श्री प्रीतम सिंह** प्रथम रहे।

हिंदी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में हिंदी भाषी वर्ग में **डॉ. आशुतोष फुलार** तथा छात्र वर्ग (हिंदी भाषी) में **डॉ. दिव्या** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। **हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता** में हिंदी भाषी वर्ग में **डॉ. विशाल चंद्र**, वर्ग 'ग' में **श्री गिरीश पटवाल** तथा छात्र वर्ग में **श्री अंकित केलवन** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चित्र पर आधारित कहानी लेखन प्रतियोगिता में **डॉ. करम चंद** प्रथम रहे, जबकि वर्ग 'ग' एवं 'घ' में क्रमशः **श्री अनिल कुमार सिंह** एवं **श्री आनंद सिंह** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। **नारा लेखन प्रतियोगिता** में **डॉ. आशुतोष फुलार** प्रथम रहे। वर्ग 'ग' एवं 'घ' में क्रमशः **श्री गिरीश पटवाल** एवं **श्री रमेश चंद्र पंत** तथा छात्र वर्ग (हिंदी भाषी) में **डॉ. प्रीति भट्ट** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। **सुलेख प्रतियोगिता** में **डॉ. करम चंद** प्रथम रहे। वर्ग 'ग' एवं 'घ' में क्रमशः **श्री सुशांत सांखधार** एवं **श्री महेश चंद्र तिवारी** तथा छात्र वर्ग (हिंदी भाषी) में **डॉ. प्रीति भट्ट** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अहिंदी भाषी प्रतिभागियों के लिए आयोजित **हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता** में छात्र वर्ग से **डॉ. अश्विन** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं **कम्प्यूटर पर हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता** में **श्री गौरव** ने संस्थान स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समापन अवसर पर डॉ. शेर सिंह ने हिंदी पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। समापन समारोह में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित केंद्रीय विद्यालय, मुक्तेश्वर के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में लगभग 107 प्रतिभागियों एवं अतिथियों की उपस्थिति रही। संपूर्ण हिंदी पखवाड़ा-2026 का समन्वयन एवं विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन डॉ. आशुतोष फुलार, प्रभारी, राजभाषा अनुभाग द्वारा किया गया। इस आयोजन ने संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता एवं रुचि को बढ़ाने के साथ-साथ कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए कार्मिकों को प्रेरित किया।